ग्लासगो में भारत का लगातार शानदार प्रदर्शन

रूपा रानी टिर्की और पिंकी सिंह की लगातार तीसरी जीत

ग्लासगो, 25 जुलाई भारत के टॉप लॉन बॉल्स खिलाड़ी पुतुल सोनोवाल ने शुक्रवार को ग्लासगो में पुरुषों के सिंगल्स सेक्शनल मैच में फ़ॉकलैंड आइलैंड्स के सेसिल अलेक्जेंडर को कड़े मुकाबले में हराकर 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स में अपना शानदार सफ़र जारी रखा जबकि रूपा रानी टिर्की और पिंकी सिंह ने महिला पेयर्स के सेक्शनल राउंड में अपनी लगातार तीसरी जीत दर्ज की.

दोनों खिलाड़ियों के एक-एक सेट जीतने के बाद मैच टाई-ब्रेक तक खिंच गया. सोनोवाल ने पहला सेट 7-5 से जीता, लेकिन अलेक्जेंडर ने वापसी करते हुए दूसरा सेट 8-6 से अपने नाम किया. निर्णायक टाई-ब्रेक में भारतीय खिलाड़ी ने संयम बनाए रखा और 1-0 से मुकाबला जीत लिया.

मौजूदा एशियाई चैंपियन अब शनिवार को अपने अगले सेक्शन डी मैच में मलेशियाई खिलाड़ी का सामना करेंगे. सोनोवाल ने गुरुवार को प्रतियोगिता के सबसे बड़े उलटफेर में से एक को अंजाम देकर सुर्खियां बटोरी थीं. कॉमनवेल्थ गेम्स में अपने डेब्यू मैच में उन्होंने कनाडा के रयान बेस्टर को हराया, जो मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन और 'वर्ल्ड बॉल्स हॉल ऑफ़ फ़ेम' में शामिल खिलाड़ी हैं.

इस बीच भारत की रूपा रानी टिर्की और पिंकी सिंह ने महिला पेयर्स के सेक्शनल राउंड में अपनी लगातार तीसरी जीत दर्ज की.

ग्लासगो पहुँचे नीरज चोपड़ा

ग्लासगो. भारत के सबसे बड़े स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ग्लासगो पहुँच गए हैं, जहाँ सोमवार से एथलेटिक्स इवेंट्स शुरू होने वाले हैं. दो बार के ओलंपिक मेडलिस्ट गुरुवार को पुरुषों के जैवलिन थ्रो (भाला फेंक) इवेंट में हिस्सा लेंगे. गोल्ड कोस्ट 2018 में गोल्ड मेडल जीतने के बाद, वे अब कॉमनवेल्थ गेम्स में एक और मेडल अपने नाम करने की कोशिश करेंगे.

झंडू कुमार ने पैरा पावरलिफ्टिंग में जीता कांस्य पदक

ग्लासगो, (स्कॉटलैंड). भारतीय एथलीट झंडू कुमार ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 की पैरा पावरलिफ्टिंग स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया है. भारत के झंडू कुमार ने शुक्रवार देर रात ग्रुप बी से शानदार प्रदर्शन करते हुए 190 किलोग्राम (130 .9 अंक) का भार उठाकर पोडियम पर जगह बनाई. यह कांस्य पदक, 2026 चैंपियनशिप चैंपियनशिप में भारत का पहला पदक है जो पहले दिन भारतीय भागीदारी वाली आखिरी स्पर्धा में हासिल किया गया. पैरा पावरलिफ्टिंग के बेहद कड़ी टक्कर वाले मुकाबले में नाइजीरिया के रिलुवान इदरीस ने 132.8 अंक के साथ स्वर्ण पदक, इंग्लैंड के मैथ्यू हार्डिंग ने 131.0 अंक के साथ रजत पदक जीता. भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे बिहार के झंडू कुमार ने 130 .9 अंक हासिल कर कांस्य पदक अपने नाम किया. झंडू को पांच साल की उम्र में पोलियो हो गया था, जिससे बिहार के नालंदा जिले के हरनौत में बड़े होने के दौरान उनके दोनों पैर प्रभावित हुए थे.

एरन कलन को हराकर जादुमणी प्री क्वार्टर फाइनल में

ग्लासगो (स्कॉटलैंड). भारतीय मुक्केबाज जादुमणी सिंह मंडेन्गबाम ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में पुरुषों की 55 किग्रा वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्कॉटलैंड के एरन कलन को एकतरफा मुकाबले में हराया और पाकिस्तान के सुमामा रहमान के साथ प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबला तय किया. जादुमणी सिंह का मुकाबला घरेलू पसंदीदा खिलाड़ी कलन से था, और ग्लासगो की भीड़ शुरू से ही स्कॉटिश बॉक्सर का समर्थन कर रही थी. 22 वर्षीय भारतीय बॉक्सर ने शोर-शराबे पर ध्यान नहीं दिया और हर जज से परफेक्ट 10 स्कोर के साथ पहला राउंड जीता. दूसरे राउंड में भी उन्होंने यही प्रदर्शन दोहराया और 5-0 से सर्वसम्मत जीत हासिल की. प्रीलिमिनरी राउंड में बाई पाने वाले पाकिस्तानी बॉक्सर सुमामा रहमान रविवार शाम को जादुमणी का सामना करेंगे, जिसमें क्वार्टर फ़ाइनल में जगह बनाने का दांव लगा होगा. जादुमनी सिंह, जिन्होंने पिछले साल नोएडा में वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल्स में 50 किग्रा कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीता था और इस साल 55 किग्रा कैटेगरी में आए हैं, ग्लासगो 2026 में रिंग में उतरने वाले पहले भारतीय बॉक्सर थे.

मुक्केबाजी : किओमा अल-अहमदियेह को हराकर सचिन सिवाच प्री-क्वार्टर फाइनल में

ग्लासगो (स्कॉटलैंड). भारतीय मुक्केबाज सचिन सिवाच ने शनिवार को कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुषों के 60किग्रा भार वर्ग के 'राउंड ऑफ़ 32' मुकाबले में कनाडा के केओमा अल-अहमदियेह के खिलाफ जीत दर्ज करते हुए प्री क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है. आज यहां कॉमनवेल्थ यूथ गेम्स के पूर्व चैंपियन सचिन सिवाच को स्कॉटिश इवेंट कैंपस में 4-1 से 'स्प्लिट डिसीजन' में जीत हासिल करने के लिए बर्मिंघम 2022 में 57किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीतने वाले अल-अहमदियेह के कड़े मुकाबले का सामना करना पड़ा. दोनों 'साउथपॉ' (बाएं हाथ से खेलने वाले) बॉक्सरों के बीच मुकाबला शुरू हुआ और दोनों ने एक-दूसरे पर मुक्के बरसाए. सचिन ने यह राउंड मामूली अंतर से जीता; पांच में से तीन जजों ने भारतीय बॉक्सर के पक्ष में 10-9 का स्कोर दिया. अल-अहमदियेह, जिनकी बहन मैरी अल-अहमदियेह भी ग्लासगो 2026 में महिलाओं के 60 किग्रा भार वर्ग में हिस्सा ले रही हैं, ने दूसरे राउंड में सचिन को कड़ी टक्कर दी. लेकिन भारतीय मुक्केबाज ने 'काउंटर-अटैक' करते हुए सभी पांचों जजों के स्कोरकार्ड पर 10-9 से राउंड अपने नाम किया. कनाडाई बॉक्सर के पास वापसी का मौका था और वह तीसरे राउंड में आक्रामक तेवर के साथ उतरे. सचिन के पास बढ़त थी, इसलिए उन्होंने थोड़ा संभलकर खेलते हुए मुकाबले की गति धीमी कर दी. हालांकि तीन जजों ने आखिरी राउंड अल-अहमदियेह को 10-9 से दिया, लेकिन 26 वर्षीय भारतीय बॉक्सर 'स्प्लिट डिसीजन' से जीत हासिल करने के लिए काफी अंक जुटा चुके थे. सोमवार को होने वाले 'राउंड ऑफ़ 16' मुकाबले में सचिन का सामना इंग्लैंड के विल हेविट से होगा. हेविट ने पिछले साल लिवरपूल में हुई वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में पेरिस 2024 के सिल्वर मेडलिस्ट मुनारबेक सेइतबेक उलू को हराकर उलटफेर किया था.

एक नजर में

कौन बनेगा इंग्लैंड के अंतरिम टेस्ट कप्तान और कोच

लंदन. अगले महीने पाकिस्तान के ख़िलाफ़ टेस्ट सीरीज़ के लिए अंतरिम तौर पर जो रूट इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान और मार्कस ट्रेस्कोथिक इंग्लैंड के टेस्ट कोच बन सकते हैं. हालांकि ईसीबी ने दोनों ही पदों के लिए अभी अंतिम निर्णय नहीं लिया है. इंग्लैंड के प्रबंध निदेशक रॉब की इस समय नए टेस्ट कोच के लिए भर्ती प्रक्रिया चला रहे हैं और इस सप्ताह उन्होंने इस पद के लिए संभावित दावेदारों से चर्चा भी की है, जिसमें स्टीवन फ़्लेमिंग, जॉनाथन ट्रॉट, रिचर्ड डॉसन और टॉम मूडी शामिल हैं. जब ब्रेंडन मैकुलम को टेस्ट कोच की भूमिका से हटाया गया था तब ईसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रिचर्ड गोल्ड ने कहा था कि इस रिक्त पद को 19 अगस्त से शुरू हो रहे पाकिस्तान के ख़िलाफ़ पहले टेस्ट से पहले भरने का प्रयास किया जाएगा. हालांकि उन्होंने इस संभावना को खुला रखा कि कोई अंतरिम कोच यह ज़िम्मेदारी संभाल सकता है. ऐसी स्थिति में ट्रेस्कोथिक जो कि मैकुलम के सहायक की भूमिका में थे, उनके कार्यवाहक कोच बनने की संभावना है. नए कोच को नियुक्त किए जाने की समयसीमा इस बात पर निर्भर करेगी कि ईसीबी का पसंदीदा उम्मीदवार इस समय कहीं और अनुबंध पर है या नहीं. चेन्नई सुपर किंग्स और अफ़ग़ानिस्तान के साथ अपनी भूमिकाओं से मुक्त होने के बाद फ़्लेमिंग और ट्रॉट दोनों ही इस समय उपलब्ध हैं.

पैरा एथलीट्स कर सकेंगे बड़े टूर्नामेंट की तैयारी

नयी दिल्ली. एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने भारतीय पैरालंपिक समिति के साथ पैरा एथलीटों के लिए बड़े टूर्नामेंट में की तैयारी के लिए अपनी साझेदारी को आगे बढ़ाया है. एसबीआई अब 2026 पैरा स्पोर्ट्स सीजन में भारतीय पैरालंपिक दल की प्रिंसिपल पार्टनर होगी. साथ ही, ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल पैरा खेल 2026 और जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई पैरा खेल 2026 के लिए भारतीय टीम की ऑफिशियल लाइफ इंश्योरेंस पार्टनर भी रहेगी. एसबीआई लाइफ के चीफ, ब्रांड, कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन एवं सीएसआर रवींद्र शर्मा ने कहा कि भारतीय पैरा एथलीट्स अपने हौंसले और मेहनत से यह साबित कर रहे हैं कि मजबूत इरादों के सामने कोई भी मुश्किल बड़ी नहीं होती. देवेंद्र झाझरिया ने कहा कि ऐसे सहयोग से खिलाड़ियों को बेहतर तैयारी करने और अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का नाम रोशन करने का आत्मविश्वास मिलता है.

दूसरे टी20 मुकाबले में भारत की धमाकेदार जीत

हरारे, 25 जुलाई भारतीय क्रिकेट टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए 90 रनों से एकतरफा जीत दर्ज की. इस जीत के साथ ही भारत ने तीन मैचों की टी20 सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली.

श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टीम ने पहली बार कोई टी20 सीरीज अपने नाम की. बल्लेबाजी में ईशान किशन और तिलक वर्मा के तूफानी अर्धशतक के बाद गेंदबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए जिम्बाब्वे की पूरी टीम को 129 रनों पर समेट दिया. पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट खोकर 219 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया. भारत की पारी की सबसे बड़ी खासियत ईशान किशन और तिलक वर्मा के बीच हुई शानदार साझेदारी रही. दोनों बल्लेबाजों ने चौथे विकेट के लिए 94 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया. ईशान किशन ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 44 गेंदों में 81 रनों की शानदार पारी खेली. उनकी पारी में नौ चौके और दो छक्के शामिल रहे. वहीं तिलक वर्मा ने भी अपना दम दिखाते हुए 29 गेंदों में नाबाद 60 रन बनाए. तिलक की पारी में पांच चौके और तीन छक्के शामिल रहे. इससे पहले कप्तान श्रेयस अय्यर ने 25 रन और युवा वैभव सूर्यवंशी ने 20 रन का योगदान दिया. 220 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम शुरुआत से ही दबाव में नजर आई.

> भारतीय गेंदबाजों ने पावरप्ले में ही मेजबान टीम को बड़े झटके दे दिए. जिम्बाब्वे के बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजी आक्रमण का सामना नहीं कर सके और नियमित अंतराल पर विकेट गंवाते रहे. डेब्यू मैच खेल रहे यश ठाकुर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्रायन बेनेट को आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई. इसके बाद प्रिंस यादव और रवि बिश्नोई ने भी जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों को परेशान किया. कप्तान सिकंदर रजा बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए, जबकि डियोन मेयर्स, बेन करन और अन्य बल्लेबाज बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे. भारत की ओर से अभिषेक शर्मा सबसे सफल गेंदबाज रहे.

चार पूल में 15 अकादमियां मुकाबला करेंगी

ग्वालियर. मध्य प्रदेश के ग्वालियर में चौथी हॉकी इंडिया सब-जूनियर महिला अकादमी चैंपियनशिप 2026 (ज़ोन ए और बी) रविवार को देश भर की 15 अकादमियां मुकाबला करेंगी. नौ दिन तक चलने वाला यह टूर्नामेंट तीन अगस्त को सपन्न होगा. चैंपियनशिप में हिस्सा लेने वाली टीमों को चार पूल में बांटा गया है. पूल ए में स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ गुजरात – हॉकी अकादमी, हॉकी फ़ैमिली बड़खलसा एनसीआर हॉकी सोसाइटी और प्रीतम सिवाच हॉकी अकादमी शामिल हैं. पूल बी में खालसा कोलकाता की स्पोर्ट्स हॉकी अकादमी, राजा करण हॉकी अकादमी, आर के रॉय हॉकी अकादमी और मुंबई स्कूल्स स्पोर्ट्स एसोसिएशन शामिल हैं. पूल सी में अनंतपुर स्पोर्ट्स अकादमी, मध्य प्रदेश हॉकी अकादमी, राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब अकादमी और तमिलनाडु हॉकी अकादमी हैं. पूल डी में रितु रानी हॉकी अकादमी, वादिपट्टी राजा हॉकी अकादमी, भाई बहलो हॉकी अकादमी भगता और चीमा हॉकी अकादमी शामिल हैं. लीग स्टेज में टीमें अपने पूल के अंदर राउंड-रॉबिन मैच खेलेंगी -- जिसमें जीत पर तीन पॉइंट, ड्रॉ पर एक पॉइंट और हार पर शून्य पॉइंट मिलेंगे. जिन मैचों में नतीजा निकलना ज़रूरी होगा, वहां टाई होने पर एफआईएच टूर्नामेंट नियमों के अनुसार शूट-आउट से फ़ैसला किया जाएगा.

खिताब जीतने से बस एक जीत दूर अनाहत

नयी दिल्ली, 25 जुलाई. भारत की अनाहत सिंह वर्ल्ड स्क्वैश जूनियर चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाली 21 साल में पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं और अब वह इतिहास रचने से बस एक जीत दूर हैं. टॉप सीड अनाहत ने शुक्रवार को एक शानदार सेमीफाइनल मुकाबले में मिस्र की बारब सामेह को चार गेम में हराया.

अपना पहला वर्ल्ड जूनियर खिताब जीतने की कोशिश कर रहीं अनाहत, 2005 में जोशना चिनप्पा के बाद फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनीं. उन्होंने 3/4 सीड खिलाड़ी को 11-3, 8-11, 11-4, 11-6 से हराकर चैंपियनशिप मैच में अपनी जगह पक्की की. अनाहत ने शानदार शुरुआत की और पहला गेम 11-3 से जीता. सामेह ने दूसरा गेम 11-8 से जीतकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया. हालांकि, भारतीय खिलाड़ी ने जल्द ही वापसी की और अगले दो गेम आसानी से 11-4 और 11-6 से जीतकर जीत हासिल की. अब वह वर्ल्ड जूनियर महिला खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनने से बस एक जीत दूर हैं.

जीत के बाद सिंह ने कहा, 'मैं सच में बहुत खुश हूं. मैंने कुछ महीने पहले ब्रिटिश जूनियर ओपन में बारब के खिलाफ खेला था और वह भी ऐसा ही कड़ा मुकाबला था, इसलिए मुझे पता था कि मुझे बहुत अच्छा खेलना होगा. कल मैं अपना सर्वश्रेष्ठ खेल नहीं खेल पाई थी, और मुझे पता था कि आज मुझे कोर्ट पर उतरकर दिखाना होगा कि मैं क्या कर सकती हूं. मैंने चार वर्ल्ड जूनियर टूर्नामेंट खेले हैं और क्वार्टर-फाइनल और सेमीफाइनल में हार गई थी, इसलिए फाइनल में पहुंचने से मेरे माता-पिता और कोच बहुत खुश हैं, लेकिन टूर्नामेंट अभी खत्म नहीं हुआ है.'

अनाहत और ऐतिहासिक खिताब के बीच मिस्र की दूसरी सीड रुकाया सलेम खड़ी हैं, जिन्होंने अपनी ही देश की खिलाड़ी और 3/4 सीड मलिका एलकाराक्सी को हराकर फाइनल में जगह बनाई. सलेम ने शुरुआती दो गेम 11-5 और 11-9 से जीते, जिसके बाद 15 साल की एलकाराक्सी ने वापसी करते हुए तीसरा गेम अपने नाम किया.

फाइनल में पाक से भिड़ेगी भारतीय पुरुष टीम

महिला टीम सेमीफाइनल में कजाकिस्तान से खेलेगी

मस्कट, (ओमान), 25 जुलाई एफआईएच यूथ हॉकी फाइव एस एशियन चैंपियनशिप 2026 में भारतीय सब-जूनियर पुरुष टीम ने अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 7-3 से हराया, और इससे पहले दिन में मेजबान देश ओमान को 10-1 से करारी शिकस्त दी थी.

वहीं, भारतीय सब-जूनियर महिला टीम ने एलीट पूल मैचों में चीन से 3-6 की हार के बाद उज़्बेकिस्तान पर 10-0 की बड़ी जीत दर्ज की. अब भारतीय पुरुष टीम फाइनल में पाकिस्तान से भिड़ेगी. महिला टीम सेमीफाइनल में कजाकिस्तान से मुकाबला करेगी. दिन के मुख्य मुकाबले में, भारतीय पुरुष टीम ने ज़बरदस्त खेल दिखाते हुए पाकिस्तान को 7-3 से हराया. भारत ने खेल की शुरुआत से ही बढ़त बना ली और हाफ़-टाइम तक रोमित पाल (8'), करण गौतम (10') और कप्तान केतन कुशवाहा (10') के गोल की बदौलत 3-0 से आगे रहा. भारत ने दूसरे हाफ़ में भी अपना आक्रामक खेल जारी रखा और प्रहलाद राजभर (12') ने बढ़त को 4-0 कर दिया. हालाँकि पाकिस्तान ने मुहम्मद उस्मान (12', 15') और कप्तान अदील (17') के गोल से वापसी की कोशिश की, लेकिन शाहरुख़ अली (16'), राहुल यादव (18') और कुशवाहा (20') के गोल ने भारत की आसान जीत पक्की कर दी. इससे पहले दिन में, भारतीय पुरुष टीम ने मेज़बान ओमान के ख़िलाफ़ शानदार खेल दिखाते हुए 10-1 से जीत हासिल की.

निकोलस ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से लिया संन्यास

ब्यूनस आयर्स. अर्जेंटीना फुटबॉल टीम के सेंटर-बैक निकोलस ओटामेंडी ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास ले लिया. अपने चौथे विश्व कप में खेल रहे ओटामेंडी रविवार को फाइनल में स्पेन के खिलाफ 1-0 से अतिरिक्त समय में मिली हार में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतरे, जो राष्ट्रीय टीम के लिए उनका आखिरी मैच था. 38 वर्षीय आटोमेंडी ने सोशल मीडिया मंच इंस्ट्राग्राम पर अपने संन्यास की घोषणा करते हुए लिखा, 'आज मैं अपने पूरे करियर के सबसे कठिन शब्द लिख रहा हूं. मैं अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम को अलविदा कह रहा हूं, लेकिन मुझे अपने देश का प्रतिनिधित्व करने पर बहुत गर्व है. खिताब इतिहास में दर्ज हो जाते हैं, लेकिन इन रंगों के प्रति प्रेम जीवन भर बना रहता है.' ओटामेंडी ने 17 साल पहले राष्ट्रीय टीम के साथ पदार्पण करने के बाद से 139 मैचों में आठ गोल किए हैं. वह अर्जेंटीना की उन टीमों का हिस्सा थे जिन्होंने 2022 विश्व कप और 2021 और 2024 में कोपा अमेरिका का खिताब जीता था. उन्होंने कहा, 'जब मैं छोटा लड़का था, तब से ही मेरा सपना था कि मैं अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम की जर्सी पहनूं – यह फुटबॉल द्वारा मुझे दिया गया सबसे बड़ा सौभाग्य है. मैंने पूरे दिल से, गर्व से और जिम्मेदारी की भावना के साथ इसका बचाव किया, यह जानते हुए कि लाखों अर्जेंटीनावासियों के लिए इसका क्या महत्व है. भाग्य ने तय किया कि मेरा आखिरी मैच विश्व कप का फाइनल होगा.

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज से नाहिद बाहर

ढाका. ऑस्ट्रेलिया के आगामी टेस्ट दौरे से पहले बांग्लादेश को एक बड़ा झटका लगा है; तेज गेंदबाज नाहिद राणा चोट के कारण दो मैचों की सीरीज से बाहर हो गए हैं. बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के एक अधिकारी ने शनिवार को क्रिकबज को पुष्टि की, 'वह बाहर हो गए हैं और ऑस्ट्रेलिया नहीं जा सकते.' अधिकारी ने आगे कहा, 'लिटन कुमार दास का खेलना फिटनेस टेस्ट पास करने पर निर्भर करेगा.'

वनडे सीरीज ▶ श्रीलंका ने 46 .5 ओवर में केवल दो विकेट खोकर 275 रन बना लिए

श्रीलंका ने सीरीज में की बराबरी

हम्बनटोटा, 25 जुलाई श्रीलंका की महिला क्रिकेट टीम ने विशमी गुणरत्ने और हर्षिता समरविक्रमा की शानदार शतकीय पारियों के दम पर पाकिस्तान को दूसरे महिला एकदिवसीय मुकाबले में आठ विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर दी.

274 रन के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका ने 46.5 ओवर में केवल दो विकेट खोकर 275 रन बना लिए और मुकाबला 19 गेंद शेष रहते अपने नाम कर लिया. दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 203 रन की रिकॉर्ड साझेदारी कर पाकिस्तान के गेंदबाजों को पूरी तरह बेअसर कर दिया. इससे पहले टॉस जीतकर श्रीलंका की कप्तान चामरी अटापट्टू ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया. पाकिस्तान की शुरुआत संतुलित रही और सलामी बल्लेबाजों ने टीम को मजबूत आधार दिया. सिदारा अमीन ने जिम्मेदारी भरी बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 100 रन बनाए, जबकि आयशा जफर ने 49 और मुनीबा अली ने 45 रन की उपयोगी पारी खेली. मध्यक्रम में गुल फिरोजा ने 27 और कप्तान फातिमा सना ने 25 रन जोड़कर टीम का स्कोर निर्धारित 50 ओवर में पांच विकेट पर 273 रन तक पहुंचाया.

श्रीलंका की ओर से गेंदबाजी में चामरी अटापट्टू, चेतना विमुक्ति, इनोका राणावीरा और कविशा दिलहारी ने एक-एक विकेट हासिल किया. हालांकि पाकिस्तानी बल्लेबाजों ने अधिकांश समय मैच पर पकड़ बनाए रखी और चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया. 274 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही.

> कप्तान चामरी अटापट्टू मात्र एक रन बनाकर पवेलियन लौट गईं और टीम ने 20 रन के स्कोर पर पहला विकेट गंवा दिया. इसके बाद विशमी गुणरत्ने और हर्षिता समरविक्रमा ने मोर्चा संभाला और पाकिस्तान की गेंदबाजी पर पूरी तरह हावी हो गईं. दोनों बल्लेबाजों ने संयम और आक्रामकता का बेहतरीन संतुलन दिखाते हुए दूसरे विकेट के लिए 203 रन की शानदार साझेदारी की. विशमी गुणरत्ने ने 123 गेंदों पर 123 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें 11 चौके और एक छक्का शामिल रहा. उनकी इस यादगार पारी ने श्रीलंका को जीत के बेहद करीब पहुंचा दिया. 40वें ओवर में नाश्रा संधु ने उन्हें आउट कर इस बड़ी साझेदारी का अंत किया, लेकिन तब तक मैच पूरी तरह श्रीलंका की पकड़ में आ चुका था.